प्रतिदिन
लाली
17
अमरावती, गुरुवार, 7 दिसम्बर 2017

मुझे और क्या चाहिए

अनुष्का शर्मा ने बहुत ही कम समय में बॉलीवुड में अपना एक अच्छा-खासा मुकाम बना लिया है. अच्छे किरदार तो अनुष्का कर रही हैं, फिल्म निर्मात्री बनकर भी उन्होंने यह साबित कर दिया है मन में विश्वास हो और साथ ही जुनून भी हो, तो कोई भी काम करना मुश्किल और नामुमकिन नहीं है.

अनुष्का अपने प्रोडक्शन की तीसरी फिल्म 'परी' को लेकर काफी उत्साहित हैं. इस बारे में उसका कहना है, 'परी' हमारे प्रोडक्शन हाउस की तीसरी फिल्म है, जिसे मैं पिछली फिल्मों- 'एन.एच.10' और 'फिल्लौरी' की तरह ही अपने भाई करणेश शर्मा के साथ मिलकर बना रही हूं. फिल्म का निर्देशन नए निर्देशक प्रोसित राय कर रहे हैं. इस फिल्म में मेरे अपोजिट बंगाली फिल्मों के कलाकार परमब्रत चटर्जी नजर आएंगे. फिल्म के नाम और पोस्टर से भले ही यह प्रतीत होता है कि यह किसी परी की कहानी है, जो इंसानों की दुनिया में फंस जाती है लेकिन असल में फिल्म की कहानी क्या है इसे अभी सस्पेंस रखना ही ठीक रहेगा.

मुझे कोई लालच नहीं

अपने अब तक के फिल्मी सफर के बारे में वह कहती हैं, 'मुझे शुरुआत से ही अच्छी फिल्में मिली हैं और इसके लिए मैं आदित्य चोपड़ा की अहसानमंद भी हूं. वाई.आर.एफ. ने मुझमें विश्वास दिखलाया, इसलिए आज मैं अपनी इस छोटी सी जर्नी में सफल भी हो पाई हूं. मेरा फिल्मी दुनिया से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं रहा है. हालांकि, मैं फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं. भगवान की दया से जो कुछ भी कर पाई, उसकी मैं शुक्रगुजार हूं. मैं फिल्मों में नाम, शोहरत और पैसों के लिए नहीं आई हूं. लेकिन कुछ रचनात्मक काम कर पाऊं यही मेरी तमन्ना है. मैं फिल्में किसी लालच से नहीं कर रही हूं. हमेशा ही मेरी यही कोशिश रही है कि कुछ आऊट ऑफ दी बाक्स कर पाऊं.'

यह दौर अच्छा

आज फिल्म इंडस्ट्री में स्त्री प्रधान विषयों पर भी फिल्में बन रही हैं. इसे अनुष्का एक अच्छी शुरुआत मानते हुए कहती हैं, 'जी हां, आजकल की महिलाएं हर क्षेत्र में कार्यरत हैं. निर्देशन, डिजाइनिंग, फिल्म निर्माण और अन्य कार्य भी वह पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर कर रही हैं. यह बदलाव न केवल हमारी फिल्म इंडस्ट्री में आया है, बल्कि अमूमन सभी जगह देखने को मिल रहा है. लेखक स्त्री-प्रधान कहानियां भी लिख रहे हैं. यह सारी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भी अपना झंडा फहराने में कामयाब हुई हैं. मेरे लिए यह एक बहुत ही अच्छा वक्त है. मैं फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं हूं, इसलिए अपने लिए यहां एक मुकाम बनाना भी कोई आसान काम मेरे लिए नहीं था. मैं ढेर सारे बेहतरीन किरदार करने की इच्छुक हूं.'

दिल की सुनती हूं

क्या निर्माता बनना उनके लिए अच्छा साबित हुआ, इस पर वह कहती हैं, 'बिल्कुल, निर्माता बनना मेरे लिए अच्छा साबित हुआ. क्योंकि मैं खुद को इस बात से प्रभावित नहीं होने देती कि दूसरे लोग क्या सोचेंगे. मैं एक ही ढर्रे पर नहीं चलती. जब बात कोई फिल्म करने की या किसी फिल्म के निर्माण की आती है, तो मैं अपने अंदर की आवाज सुनती हूं और वह काम करना जारी रखती हूं जो मुझे मेरे लिए सही लगता है. यानी, मैं अपने दिल की आवाज सुनती हूं और एक अच्छी कहानी का हिस्सा बनने पर ध्यान केंद्रित करती हूं. मैं खुद में विश्वास करती हूं.'

ऐसा तो होता ही है

परिणीति चोपड़ा अभिनय से पहले यशराज फिल्म्स में पब्लिक रिलेशन्स कंसल्टेंट के तौर पर काम किया करती थीं. फिल्मों में उन्होंने लेडीज वर्सेस रिक्की बहल के माध्यम से कदम रखा. इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवार्ड दिया गया था. फिल्म 'इश्कजादे' के लिए उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था. उसकी हालिया रिलीज फिल्म 'गोलमाल अगेन' 200 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है. पेश हैं उनसे एक बातचीत के अंश:

- अंतराल के बाद आप फिल्म 'मेरी प्यारी बिंदू' में नजर आईं थीं क्या आपको नहीं लगता कि यह अंतराल कुछ ज्यादा ही लम्बा था?

'किल दिल' जैसी फिल्म के फ्लाप हो जाने के बाद जब मैंने यह ब्रेक लिया था, तब नहीं पता था कि यह इतना लम्बा हो जाएगा. तब मेरे इस निर्णय से मेरे करीबी लोग सकते में आ गए थे. हर किसी ने मेरे इस कदम पर संदेह किया था. सभी का कहना था कि बॉलीवुड बहुत फास्ट है. यहां जो एक बार पिछड़ जाता है उसे दोबारा आगे आने में बहुत दिक्कत होती है पर मुझे समझ में आ गया था कि यह ब्रेक लेने का सही समय है तो मैंने ऐसा ही किया.

- आपने मेकओवर के लिए कोई सर्जरी नहीं करवाई जबकि आज की कई हीरोइनें प्लास्टिक सर्जरी की शरण में चली जाती हैं. आपका क्या कहना है?

मैं दूसरी हीरोइनों के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगी. हर कोई काफी सोच-समझ कर ही इस तरह के निर्णय लेता है. यदि अपनी बात करुं तो मैं प्राकृतिक तरीके से ही सुंदरता को निखारने में विश्वास करती हूं.

- 'मेरी प्यारी बिंदू' का आपका गाना 'माना के हम यार नहीं...' काफी चर्चा में रहा था. क्या आगे भी गायन का सफर जारी रहेगा?

मुझे बचपन से ही संगीत से लगाव रहा है. मेरा बड़ा मन था कि अपनी किसी फिल्म में प्लेबैक सिंगिंग करुं. लेकिन मैंने 'मेरी प्यारी बिंदू' के लिए ऐसा कोई आग्रह नहीं किया था. खुद डायरेक्टर अक्षय राय ने मुझे यह प्रस्ताव दिया है. हां, संगीत की शिक्षा होने की वजह से मुझे इस गाने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी. मुझे आगे भी ऐसे मौके मिलेंगे तो मैं जरुर गाना चाहूंगी.

- अब तक एक्टिंग के मामले में आलिया भट्ट और श्रध्दा कपूर से आपकी तुलना होती थी. प्लेबैक सिंगिंग की वजह से अब यह तुलना और बढ़ जाएगी. आपका क्या कहना है?

हां, आलिया और श्रध्दा ने भी अपनी फिल्मों के लिए गाया है तो कुछ लोग ऐसी तुलना जरुर करेंगे पर मुझे लगता है कि सबको अपने हिस्से का काम करना होता है. जिसका नसीब साथ देता है, उसे ज्यादा सफलता मिलती है. मैं आलिया और श्रध्दा दोनों को ही बहुत टैलेंटेड मानती हूं. उन्हें जैसी सफलता मिली है, वे उसकी पात्र हैं.

- आपकी बहन प्रियंका चोपड़ा भी गायन में काफी नाम कमा चुकी हैं. क्या उन्होंने आपका गाना सुना था? उनकी कैसी प्रतिक्रिया थी?

वह बहुत खुश थीं. उन्होंने मुझे मेरे गाने के लिए खूब बधाई दी थी. दरअसल प्रियंका दी ही मेरी प्रेरणा रही हैं. वह मेरी आदर्श हैं. उनके जैसी दस प्रतिशत सफलता भी मिल जाए तो मैं खुद को धन्य समझूंगी.

- मेकओवर के बाद 'मेरी प्यारी बिंदू' के अलावा अपने 'गोलमाल अगेन' जैसी फिल्में तो साइन की, लेकिन कई फिल्में ठुकरा भी दी.

मैं ऐसी किसी फिल्म का नाम नहीं ले सकती, जिसमें मैंने काम करने से इंकार किया. ऐसा करना अपमानजनक होगा. वैसे बॉलीवुड में ऐसा तो होता रहता है. कई बार डेट्स प्रॉब्लम की वजह से ऐसा होता हैं तो कई बार स्क्रिप्ट समझ में नहीं आती लेकिन ऐसी बातों का कोई बुरा नहीं मानता.

- फिल्म 'ढिशुम' में आपका आइटम सांग 'जानेमन आह...' भी काफी चर्चा में रहा था, क्या आगे भी इस तरह का कोई आइटम सांग-करना चाहेंगी?

हां, अच्छा आइटम सांग करने से मुझे क्या परहेज हो सकता है. ऐसे गाने जब सफल होते हैं तो इन पर बहुत चर्चा होती है. इस चर्चा से किसी भी हीरोइन का करियर तेजी से आगे बढ़ता है.

अगली फिल्म 'संदीप और पिंकी फरार' में परिणीति चोपड़ा की एक लुक हाल ही में रिलीज की गई है. निर्देशक दिवाकर बनर्जी अपनी फिल्मों में किरदारों को अलग ही लुक देने के लिए जाने जाते हैं. फिल्म में वह परिणीति को पहले नहीं देखी गई एकदम नई लुक में पेश कर रहे हैं. अपनी पिछली फिल्म 'गोलमाल रिटर्न्स' की सफलता का लुत्फ उठा रहीं परिणीति अपनी नई लुक में कार्पोरेट वर्ल्ड की एक महत्वाकांक्षी युवती नजर आ रही हैं. फिल्म में अपने रोग के बारे में परिणीति कहती हैं, 'फिल्म में मैं कार्पोरेट वर्ल्ड की एक बेहद महत्वाकांक्षी लड़की की भूमिका निभा रही हूं. वह दिल्ली में रहती हैं और उसके मन में साफ है कि वह अपनी जिंदगी से क्या चाहती हैं. वह ऐसी लड़की का आदर्श उदाहरण हैं जो अपने करियर को लेकर पूरी तरह से फोकस्ड हैं.